Shri Abid Ali: We are setting up tripartite committees at local industrial, State and Central levels to look into this matter and discourage recourse to the High Courts and Supreme Court and make an attempt also to withdraw the cases which have already been filed.

Shri Narayanankutty Menon: Apart from this voluntary advice on not taking recourse to the High Courts and Supreme Court, may I know whether Government propose to make any changes in the law so that these awards may not go before the High Courts and Supreme Courts and result in the consequent delays?

Shri Abid Ali: That can only be done amending the Constitution which we do not propose to do at present.

पंचशील

*६७५. **श्री विभूति मिश्र** : क्या प्रधान मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि क्या यह सच है कि रूस के विदेश मंत्री ने हाल ही में संयुक्त राष्ट्र संघ में एक प्रस्ताव रखा है कि सब देशों को पंचशील के सिद्धान्तो का अनुसरण करना चाहिये ?

वैदेशिक-कार्य उपमंत्री (श्रीमती लक्ष्मी मेनन) : सोवियत सरकार ने सुझाव दिया है कि महासभा एक घोषणा करे, जो राज्यों के शांतिपूर्ण सह-जीवन से सम्बन्धित हो । इस घोषणा के मसौदे में पंचशील के सिद्धांतों से बिलकुल मिलती जुलती बातें है ।

Some Hon. Members: In English also.

Shrimati Lakshmi Menon: The Soviet Government have suggested a declaration by the Assembly; this deals with the peaceful co-existence of States. The ideas in this draft declaration follow closely the principles of Panchsheel.

श्री विभूति मिश्र : मैं जानना चाहता हूं कि पंचशील के सिद्धांत को अब तक दुनिया के कितने देशों ने माना है और कितने देशों ने नहीं माना है । जिन देशों ने माना है उनके वहां पर कार्य रूप में परिणत करने के लिये क्या कार्यवाही की गई है ?

उपाध्यक्ष महोदय : मानते तो सब देश है परन्तु अमल नही करते ।

श्री विभूति मिश्र : मैं जानना चाहता हूं कि पंचशील के सिद्धांत को दुनिया के कितने देशों ने माना है ?

प्रधान मंत्री तथा वैदेशिक-कार्य मंत्री (श्री जवाहरलाल नेहरू) : उपाध्यक्ष महोदय ने आपको बता दिया और जवाब माकूल दे दिया । बाज देशो ने इसको जाब्ते से माना है, जाब्ते का मतलब किसी न किसी दस्तावेज में वह लिखा है कि वह इसको स्वीकार करते है और बाज देश कहते हैं कि हम इस सिद्धांत को मानते ही है लेकिन उसकी बाबत जाब्ते से कहीं लिखा पढी नही हुई और बाज देश इस बारे मे खामोश है और कुछ कहा नहीं है । किसी की निस्बत यह नही कहा जा सकता कि उन्होंने इसको जानबूझ कर अस्वीकार किया है और कहा है कि वह सिद्धात गलत है, ऐसा कोई देश नही है जहा तक मुझे मालूम है ।

श्री विभूति मिश्र : जिन देशों ने जाब्ते के तरीके से नही माना है उन देशों को जाब्ते के तरीके से मनवाने के लिये क्या कोई शान्तिमय तरीका हमारी सरकार काम में ला रही है ?

उपाध्यक्ष महोदय : यह कौन सी जिम्मेदारी है इस गवर्नमेंट की ।

श्री विभूति मिश्र : जिन देशों ने जाब्ते के तरीके से नहीं माना है और हम मानते हैं तो हमारी सरकार उन देशों के प्रति, ताकि वे भी जाब्ते के तरीके से इस सिद्धांत को मानें, शान्तिमय तरीके से क्या कोई उपाय काम में ला रही है ?

श्री जवाहरलाल नेहरू : अब इस मामले में कोई गला दबा कर किसी को मजबूर नहीं किया जा सकता । उनके सामने बहुत अदब से बातें पेश की जाती हैं कि वे उनको स्वीकार करें । कुछ स्वीकार करते हैं और बाकी आम तौर से देश कहते हैं कि यह बहुत अच्छी चीज हैं लेकिन इस सिद्धांत को लोग स्वीकार तो कर लेते हैं । कोई एक देश इसको स्वीकार तो कर लेते हैं लेकिन उस पर अमल नहीं करते तो इससे एक धोखा हो जाता है ।

Shri C. D. Pande: May I know if the countries which have signified their adherence to the tenets of Panchsheel practise the same in the conduct of their internal affairs within their own country?

Shri Jawaharlal Nehru: The tenets of Panchsheel do not refer to internal policies; they refer to external policies.

Shri B. S. Murthy: May I know what steps are being taken to popularise the ideal of Panchsheel in all the countries, whether any pamphlets have been printed and given in other languages?

Shri Jawaharlal Nehru: In some languages various pamphlets have been distributed.

मधुमक्खी-पालन

*६७६. **श्री भक्त दर्शन** : क्या वाणिज्य तथा उद्योग मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) काश्मीर, पंजाब, हिमाचल प्रदेश, उत्तर प्रदेश, पश्चिमी बंगाल और आसाम के हिमालय प्रदेशों में मधुमक्खी-पालन और शहद-उद्योग के विकास के लिये अब तक क्या कार्यवाही की गई है; और

(ख) इन प्रयत्नों में कहां तक सफलता मिली है ?

वाणिज्य मंत्री (श्री कानूनगो) : (क) तथा (ख). अ० भा० खादी तथा ग्रामोद्योग बोर्ड और उसकी जगह बने अ० भा० खादी तथा ग्रामोद्योग कमीशन ने ६ राज्यों में क्षेत्रीय कार्यालय, उपकेन्द्र तथा आदर्श मधुमक्खी घर खोले हैं । सभा की मेज पर दो विवरण रखे जाते हैं जिनमें उपकेन्द्रों और मधुमक्खी घर स्थापित करने में हुई प्रगति और इन राज्यों के कार्यक्रम के अन्तर्गत उत्पादित शहद का परिणाम तथा मधुमक्खि पालकों की संख्या दी गयी है । [देखिये परिशिष्ट ३, अनुबन्ध संख्या १] ।

Some Hon. Members: In English also.

Shri Kanungo: (a) and (b). The All-India Khadi and Village Industries Board, and its successor the Khadi and Village Industries Commission have set up area-offices, sub-stations and model apiaries in the six States. Two tables indicating the progress regarding establishment of sub-stations and apiaries, production of honey and number of bee-keepers covered by the programme in these States are laid on the Table of the Lok Sabha. [*See* Appendix III, annexure No. 1]

श्री भक्त दर्शन : विवरणो को देखने से ज्ञात होता है, कि तीन वर्षों के प्रयत्नों के बावजूद भी इस उद्योग का अभी पूरा विकास नहीं हुआ है, उदाहरणस्वरूप, उत्तर प्रदेश के ५ पर्वतीय जिलों में केवल एक क्षेत्रीय कार्यालय खोला गया है और १० ही उपकेन्द्र हैं, मैं जानना चाहता हूं कि इन में से प्रत्येक जिले में ऐसे उपकेन्द्र खोलने के लिये तथा इस कार्य को आगे बढ़ाने के लिये क्या कदम उठाये जा रहे हैं ?

श्री कानूनगो : इस तरह के केन्द्र हर स्थान पर नहीं खोले जा सकते हैं क्योंकि इसके लिये एक विशेष टेमपरेचर की आवश्यकता होती है और जहां का टेमपरेचर ६० डिगरी और १०० डिगरी के बीच में होता है वहीं यह मधमक्खियां पाली जा सकती हैं